

मानव आँख

- ◎ कॉर्निया : सातसी ताढ़ी छाग
आपत्तिग-
नीत्र दान
- ◎ अलीय हास्य (Aqueous Humor) : आँख की दृगत ही नियंत्रित हरणा / Nouadishimeli
- ◎ आइस (Iris) : गहरी गांसाल सारेचागा
पुतली के आगार ही नियंत्रित हरणा /
- ◎ पुतली (Pupil) : आँख गी स्वैश स्फाश ही मात्रा ही नियंत्रित हरणा /
- ◎ लैंस : स्फाश विश्वास \rightarrow रेटिना
- ◎ रेटिना : spot जहाँ स्पतिकित बनता है। आ॒टिकल बनाए \rightarrow दैदूत ऊर्जा
- ◎ ब्लैक्ड स्पॉट : रेटिना में वह स्थान जहाँ आ॒टिक तंत्रिका पूँडती है। इसका भाग की गी कीदृ भाग - संवैदनशील होता है। इसका भाग की रेटिना का यह भाग दैरव नहीं सकता है।
- ◎ सिलिङरी मांसपेशी (Ciliary muscles) : लैंस ही नियंत्रित हरणा

नीत्र की समंजन क्षमता:

→ सिलिङरी मांसपेशी

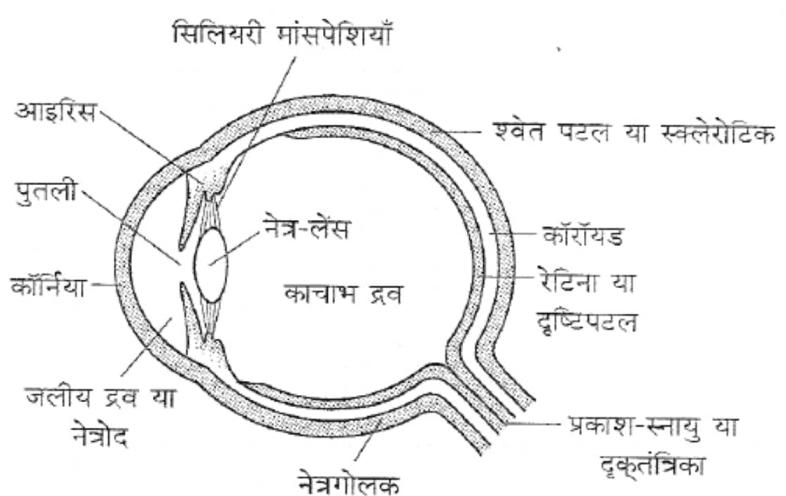
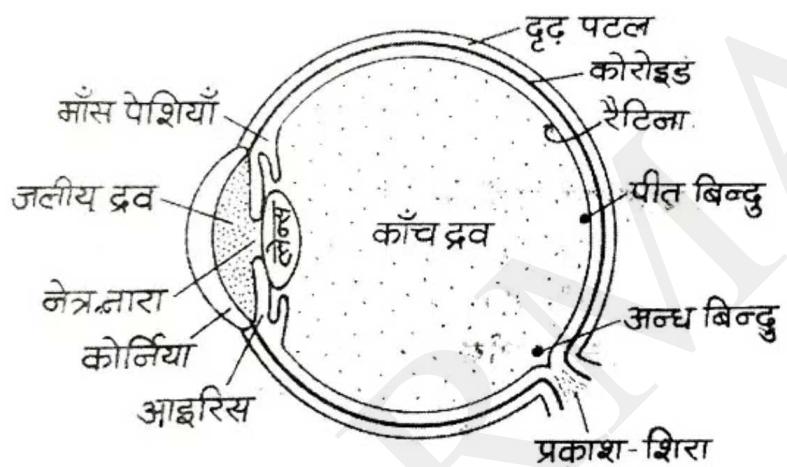
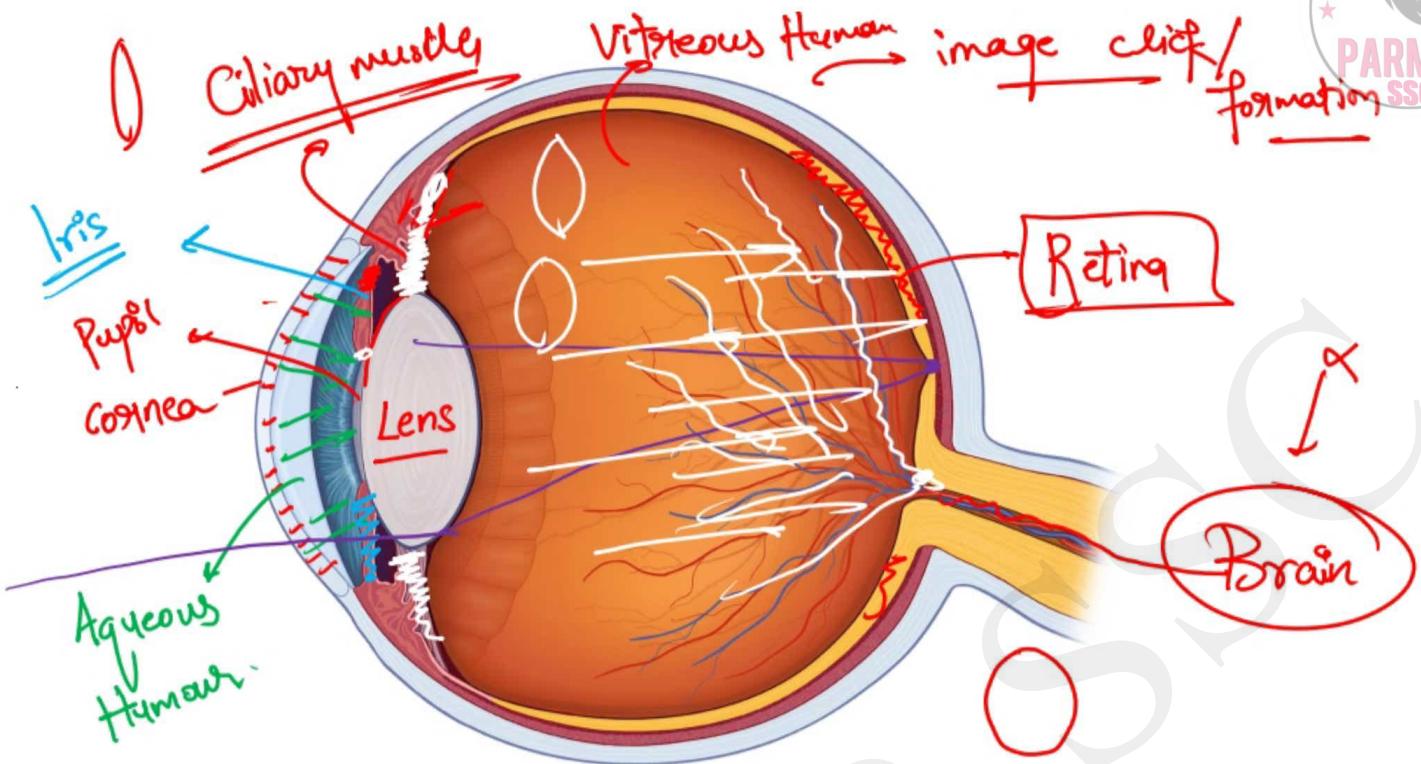
आँख \rightarrow फौकल दूरी \rightarrow परिवर्तित कर लेता

नीत्र की वह क्षमता जिसके कारण नीत्र लैंस नी फौकल दूरी में परिवर्ति कर जगदीक व दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, नीत्र की समंजन क्षमता कठलाती है।

स्पष्ट हृष्टि की न्यूनतम दूरी: 25 cm

आँख के दोष:

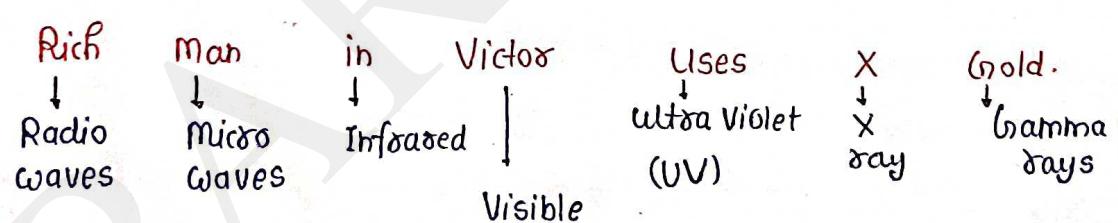
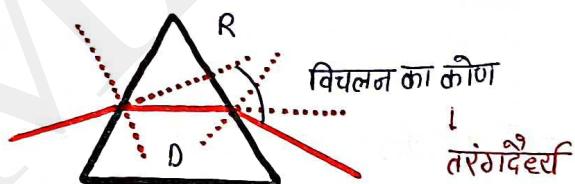
- ◎ माहीपिया (Myopia) \rightarrow निकट हृष्टि दोष, दूर का नहीं दिखता, रेटिना से पहले स्पतिकित हरणा /
-ve (अवतल लैंस का प्रयोग)



- दूरपरमैद्रोपिया : दूर इस्टी दीप , निकट का नहीं दिखता , रेटिना के बाद स्पतिविभव बनता।
(40+) (+ve) (उत्तल ध्रीस का प्रयोग)
- प्रैसबायीपिया : जराहस्टी दीप , न दूर का न पास का दिखता।
(55+) लैंस → लचीलापन रखोना।
(उत्तल + अवतल लैंस दीना का प्रयोग)
- रेलूकीमा / ड्रैकोमा : आंख का दबाव बढ़ जाता है।
Phlyctoma / Trachoma तेशानुगत
हैंडलीसिया के संकरण से होता है।
- वर्णधिता / colour blindness : रंग विद्या की अक्षमता
वेशानुगत
रेटिना → Rod & Cone कीशिका
↓
रंग की लिंग

प्रिज्म के माध्यम से प्रकाश का अपवर्तन:

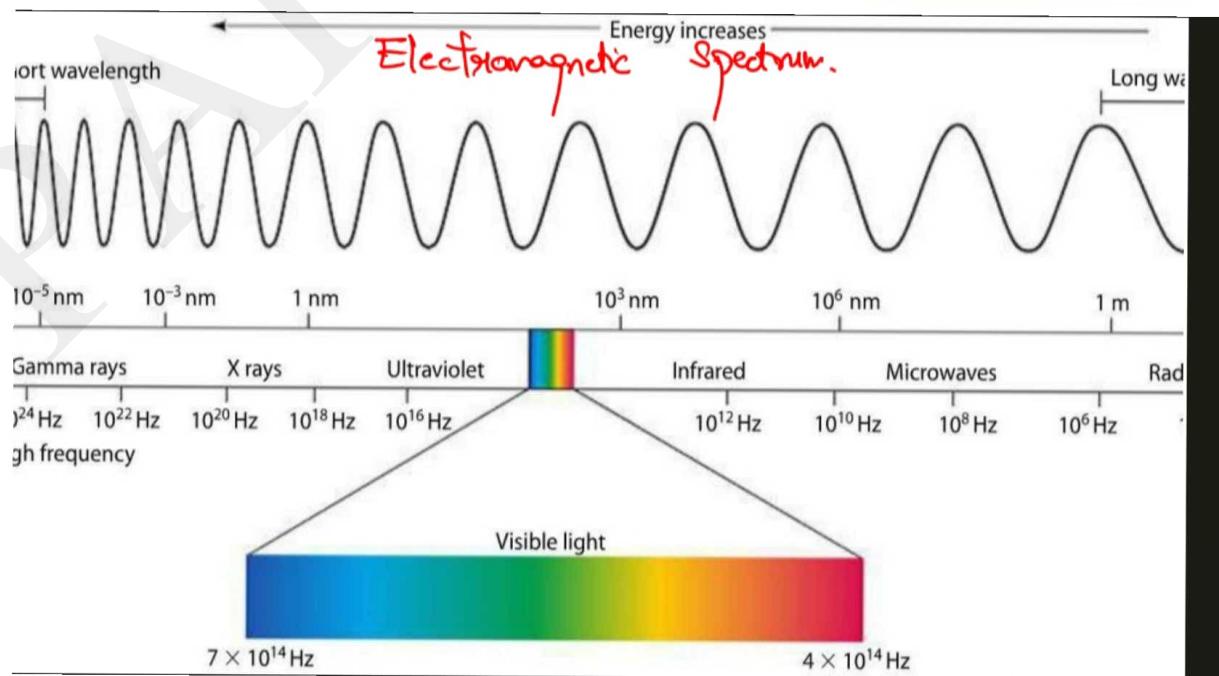
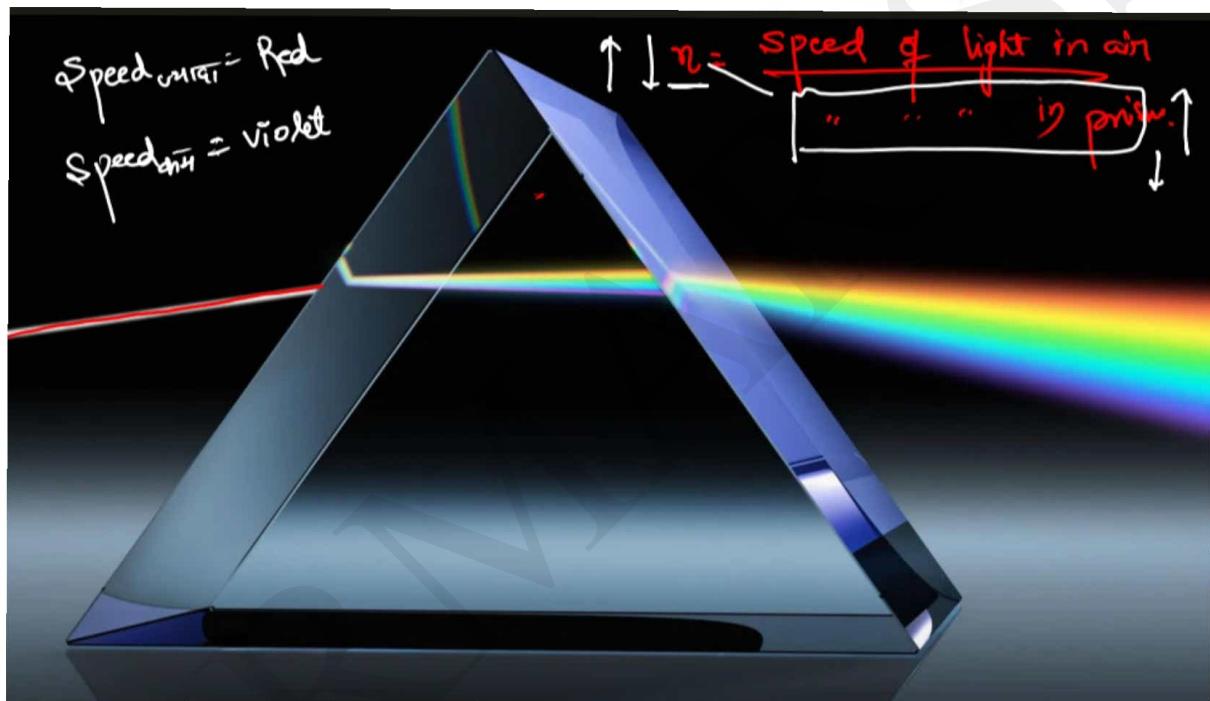
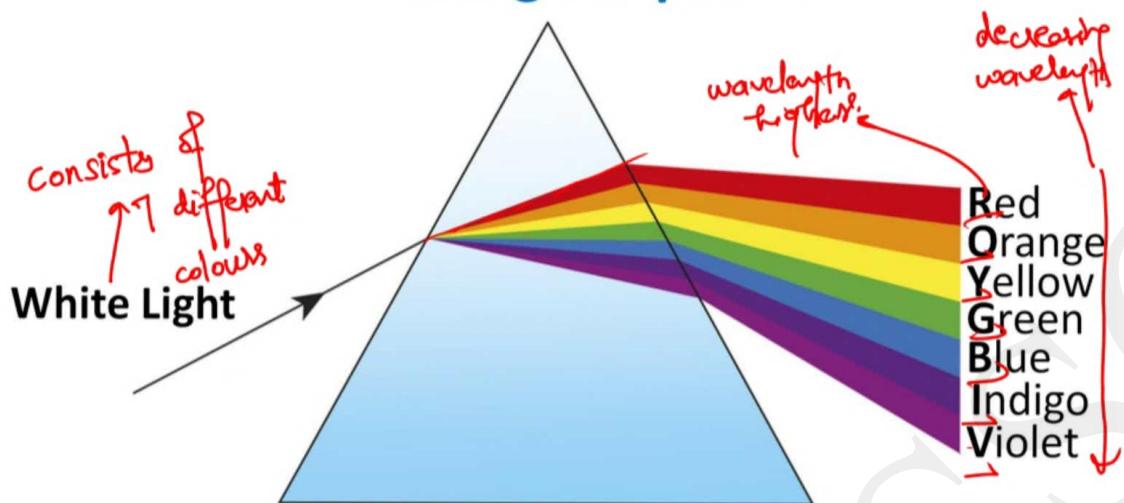
ज्यादा गति = लाल
कम गति = वीरगनी



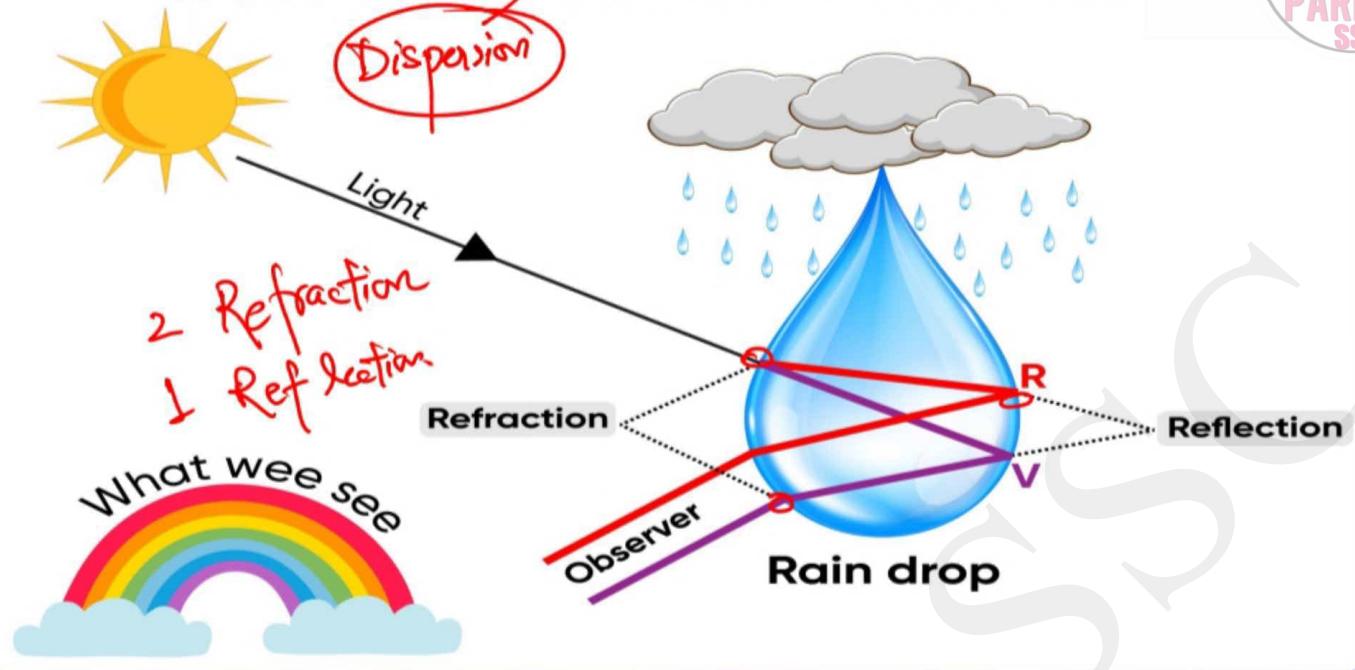
$$E = hf$$

तरंगदैर्घ्य ↓
Hz ← आवृत्ति ↑
ऊर्जा ↑

Dispersion of White Light in a glass prism



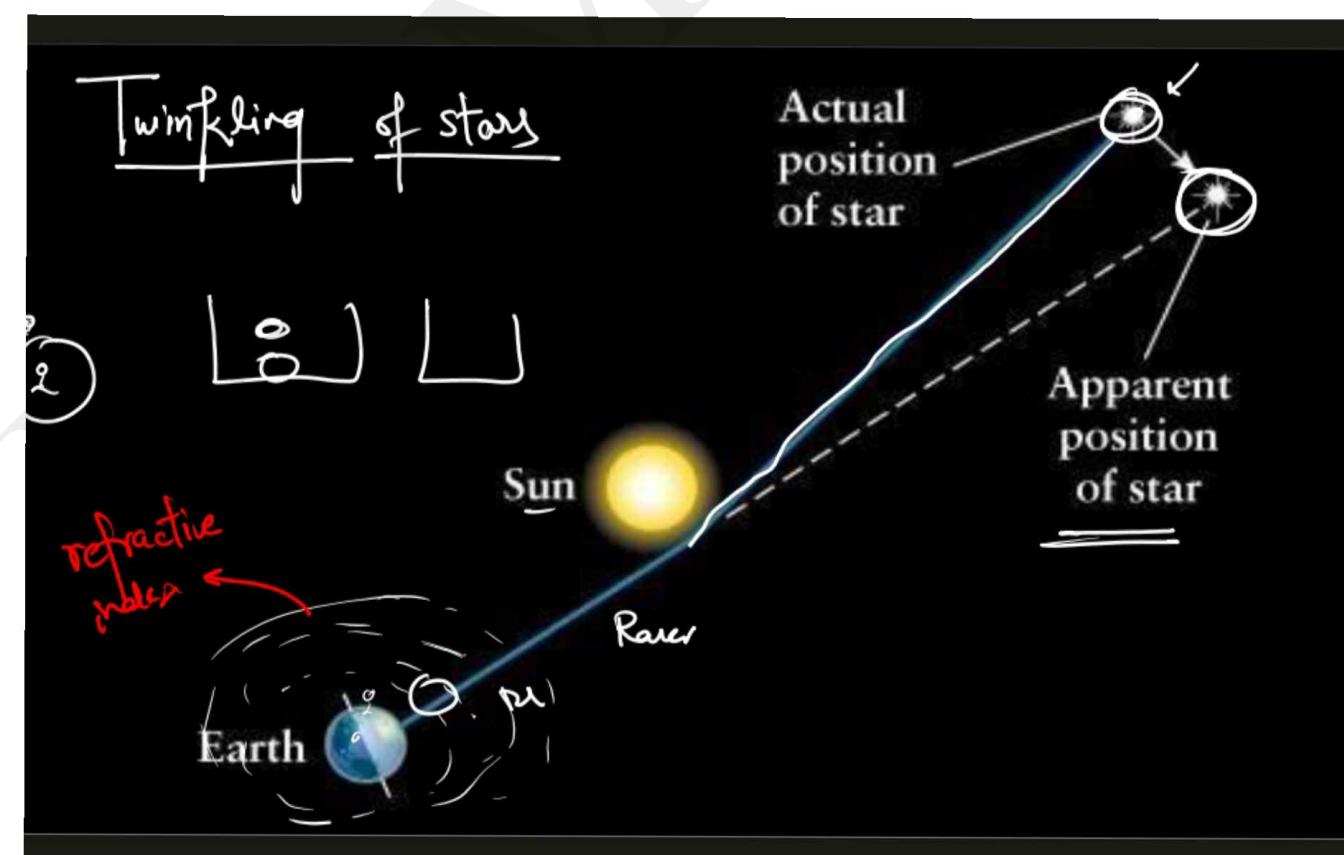
HOW IS A RAINBOW FORMED?



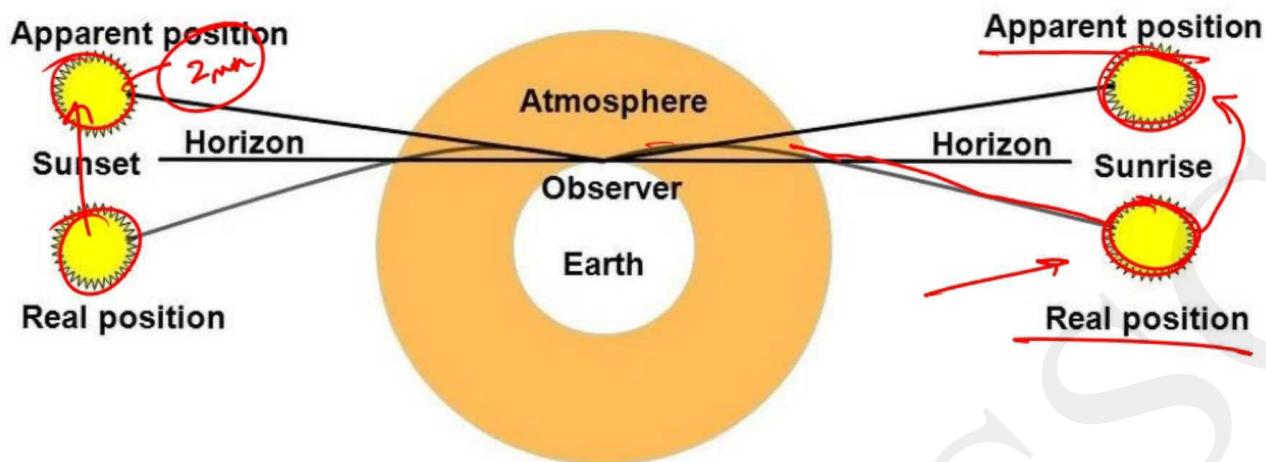
REFRACTION IN ATMOSPHERE

वायुमंडल में अपवर्तन

तारों का दिमिटाना

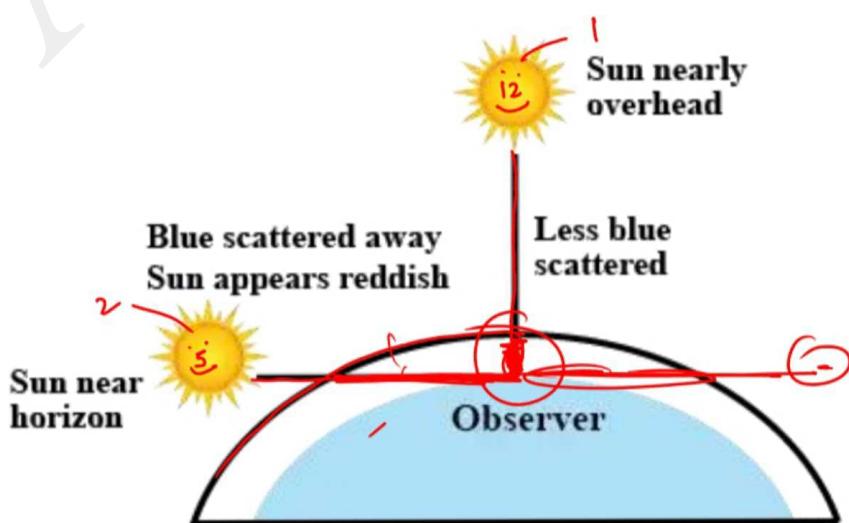
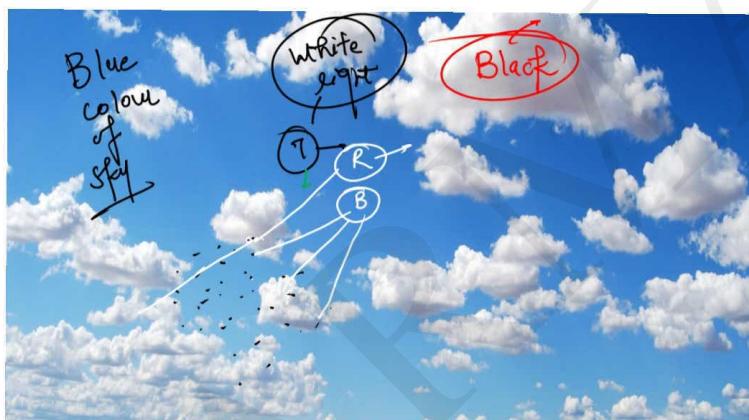


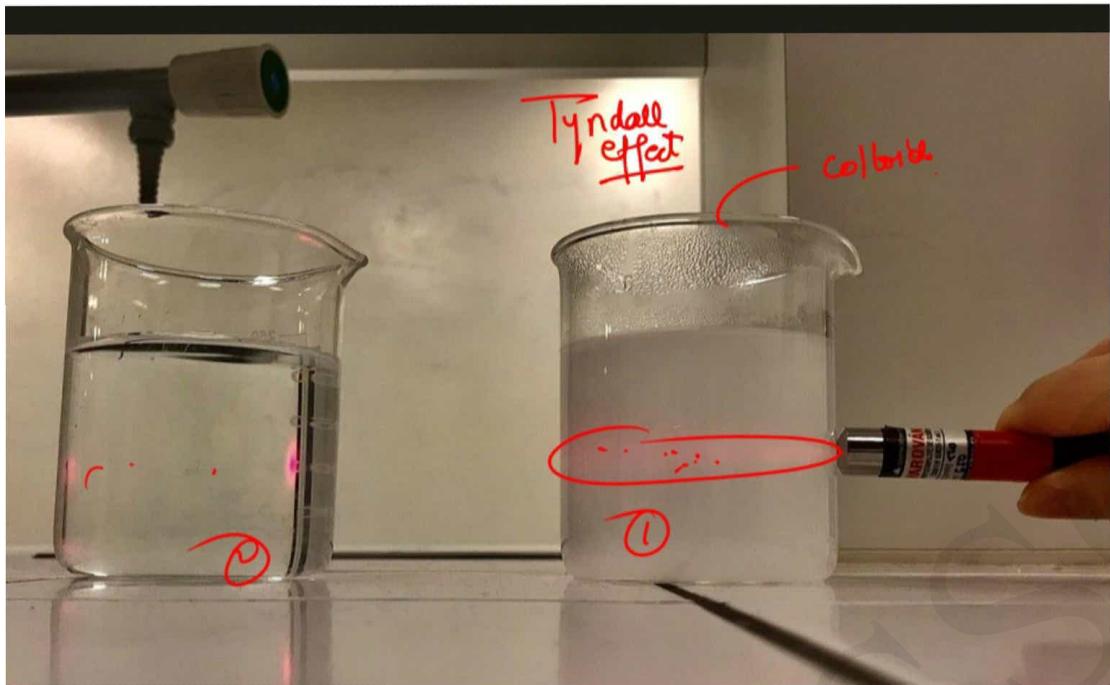
Advance sunrise and delayed sunset :-



SCATTERING OF LIGHT

प्रकाश का वितरण



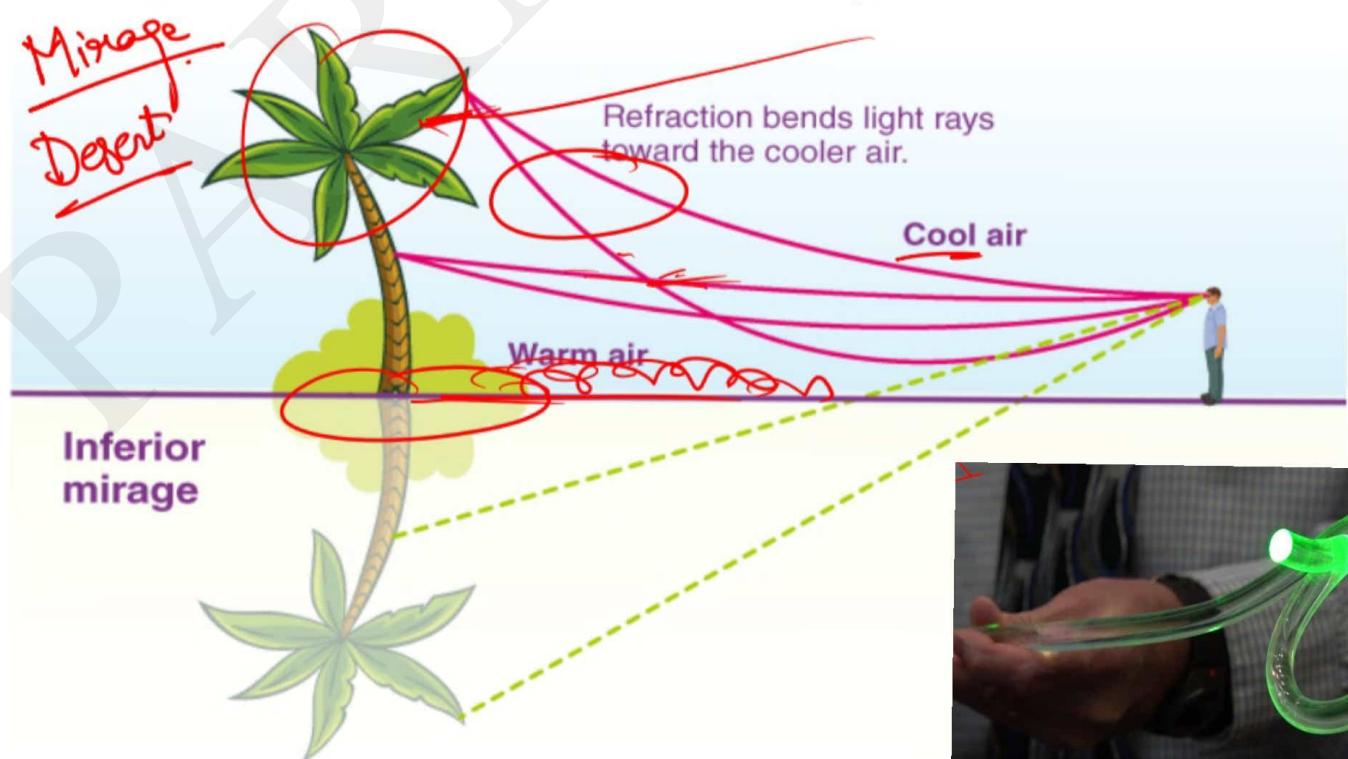


पूर्ण आंतरिक परावर्तन

TOTAL INTERNAL REFLECTION

→ Mirage
 → optical fibre

② → Deser to Rarer med.
 → Light should hit at
 an angle greater than
 critical angle



वायुमण्डल में अपर्वतनः

तारों का टिमटिमाना

- +2.5 डिग्रीसेर उच्चता वाले उत्तल लेंस की फोकल लंबाई क्या होगी ?

$$f = \frac{1}{P} \rightarrow \frac{1}{2.5} = \frac{2}{5} = 0.4 \text{ m}$$

$$= 40 \text{ cm}$$

- शैवत प्रकाश ने रेगी का मिश्न दी है।
- उत्तल दर्पण छारा बनी इवि दमेशा - आशासी और सीधा (अवतल लेंस)
- बाहर के दर्पण, झील और चश्मे की पीड़ी पर चमक → परावर्तक प्रतिविच्चव
- सौना और तंबा — और बैठनी प्रकाश को अवशोषित करते हैं, जिससे धीला प्रकाश निकल जाता है। जीला
- हीरा का निरपेक्ष अपवर्तनांक ~ 2.42
- प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण साफ आकाश का रंग जीला ही जाता है।
- LED = Light Emitting diode
- किसी माध्यम के अणुओं छारा केंपन ऊर्जा स्तर तक उत्तेजित होने पर प्रकाश के प्रकीर्णन से संबंधित है। रेमन प्रभाव
- अल्पेंवली → पटना (प्रकाश के प्रकीर्णन से उत्पन्न) जिसमें पर्वत की चोटियाँ सूर्योदय और सूर्योस्त के आसपास घुलाबी या नारंगी रंग प्राप्त कर लेती हैं।
- एक दूसरे से 120° पर झुके हुए ही दर्पणों छारा बनाई गई इवियों की कुल संख्या
 - $\frac{360}{9} = \frac{360}{120} = 3$
- क्रांति वालसम का अपवर्तनांक क्राउन रबास के सबसे निकट है।
- रत्नाम का नियम : तापमान और दबाव की समान परिस्थितियों में ठोसों के प्रसार की दर उनके घनत्व के वर्गमूल के व्युत्क्रमानुपाती होती है।
- जब आप तेज रीशनी वाले कमरे से आते हैं तो आप मंद रीशनी वाले कमरे में बहुत ज्यादा नहीं देख पाते → परिस्थिरका पुतली को सिकोइली है जिससे ऊंचर में कम



रीशनी स्फीज़ा तर पाती है।

- IAns - आंख का रंग
- आंख में स्फीज़ा करने वाले प्रकाश की गत्रा की Pupil हारा नियंत्रित किया जाता है।
- किसी त्यक्ति की आंखों के उदर दबात की गापनी के लिए - Tohometer